

## एंटी स्मोकिंग सेगमेंट में एल्डर फार्मा की दस्तक

**वाणिज्य संवाददाता**  
नई दिल्ली। हेल्थकेयर क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एल्डर फार्मास्युटिकल्स ने चबाए जाने योग्य जेली क्यूब के साथ निकोटीन प्रतिस्थापन चिकित्सा या धूम्रपान-विरोधी सेगमेंट में दस्तक दी है। ये जेली क्यूब तंबाकू की संवेदना को पुनः तैयार करता है।

कंपनी के निदेशक आलोक सक्सेना ने कहा कि एल्डर फार्मा ने इस उत्पाद के निर्माण के लिए जेलनोवा लैबोरेटरीज के साथ एक निर्माण समझौता किया है। उन्होंने कहा, "यह जेल तैयार करने के लिए हमारे पास प्रौद्योगिकी नहीं है और न ही इसे हासिल करने की हमारी कोई योजना है। कंपनी ऐसी और दवाईयों की योजना बना रही है जो जेल के स्वरूप में बेचे जा सकेंगे और जेलनोवा के लिए आउटसोर्स

किए जाएंगे। सक्सेना ने कहा, "एल्डर फार्मा पुदीना और पान मसाला फ्लेवर में निकोटीन गोलिएं मुहैया कराएगी। ये उत्पाद तीन



सेगमेंटों- 1एमजी, 2एमजी और 4एमजी- में लांच किए जाएंगे। यह उत्पाद लगभग 30-40 मिनट तक मुंह में रहता है।" उन्होंने कहा, "एल्डर फार्मा ने इस उत्पाद से अगले तीन वर्षों में लगभग 18-20 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित करने की योजना बनाई है। इस उत्पाद पर परिचालन मार्जिन 18-20 फीसदी के बीच रहने की संभावना है। तंबाकू-संबंधित कैंसर के बढ़ते मामलों और जागरूकता से इस

आदत के छुटकारे के लिए डॉक्टरों के नुस्खों को बढ़ावा मिल रहा है। यह बाजार मौजूदा समय में लगभग 720 करोड़ रुपए का है जिसमें

लगभग 200 करोड़ रुपए नुस्खों से प्राप्त होते हैं जबकि बाकी राजस्व अन्य बिक्री से हासिल होता है। मौजूदा समय में इस सेगमेंट में सन फार्मास्युटिकल्स, फाइजर, सिप्ला और जीएसके जैसी कंपनियों का दबदबा है। ये कंपनियां ट्रांसडर्मल पैच, च्यूइंग गम, इन्हेलर्स, नसल स्प्रै, गोली आदि के रूप में मार्केटिंग सॉल्यूशन से संबद्ध हैं।

मार्च 2010 में समाप्त हुए वित्त वर्ष में कंपनी का राजस्व 702.4 करोड़ रुपए रहा। इस अवधि के लिए इसकी ईबीआईटीडीई 109 करोड़ रुपए और शुद्ध मुनाफा 55.3 करोड़ रुपए रहा।